

आरटीयू एकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में फैसला, फर्स्ट ईयर का सिलेबस बदला

अब फर्स्ट ईयर से ही फील्ड में जाएंगे इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स

New
Change

हर सब्जेक्ट में
35 प्रतिशत
मार्क्स लाना
होगा जरूरी

130 से
ज्यादा
इंजीनियरिंग
कॉलेज हैं
आरटीयू के
40 हजार
लगभग सीटें हैं
14 हजार
लगभग
आवेदन आए हैं
इस सत्र के
लिए

पुष्पेन्द्र शर्मा

जयपुर • अब इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स फर्स्ट ईयर से ही फील्ड में जाएंगे। फर्स्ट ईयर में उन्हें ह्यूमन वैल्यूज सब्जेक्ट की पढ़ाई करनी होगी। इसके लिए उन्हें प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए आसपास के गांवों और सोसायटीज में जाना होगा और वहां की समस्याओं पर काम करना होगा। इसके अलावा वे सरकार की स्कीम्स के लिए लोगों को मोटिवेट कर सकते हैं। उन्हें इसका प्रोजेक्ट बनाना होगा, जिसके बाकायदा 100 मार्क्स जुड़ेंगे। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी (आरटीयू) की एकेडमिक काउंसिल में फर्स्ट ईयर सिलेबस को बदलने पर मुहर लग गई है, जिसमें कई बड़े बदलाव हुए हैं। विवि के अधिकारियों का कहना है कि ह्यूमन वैल्यूज आईआईटीज के सिलेबस में शामिल है, जिसकी तर्ज पर बदलाव किया गया है। वहीं फर्स्ट ईयर में ही एन्वयरनमेंटल इंजीनियरिंग और डिजास्टर मैनेजमेंट भी स्टूडेंट्स को सीखना होगा। नया सिलेबस इसी सेशन से लागू होगा।

28 मार्क्स लाना जरूरी

आरटीयू ने स्टूडेंट्स के लिए परीक्षाएं थोड़ी मुश्किल कर दी हैं। इसके लिए हर सब्जेक्ट में पासिंग मार्क्स का परसेंटेज बढ़ाया गया है। नए सिलेबस के मुताबिक, अब हर सब्जेक्ट में 80 में से 28 मार्क्स लाना जरूरी होगा। पहले स्टूडेंट्स को महज 26 मार्क्स ही लाने होते थे। इस तरह स्टूडेंट्स को अब हर सब्जेक्ट में 33 की बजाय 35 प्रतिशत मार्क्स लाना जरूरी होगा।

...दोनों सेमेस्टर में

इसके साथ ही फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स को



6 फर्स्ट ईयर सिलेबस में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। जिन पर एकेडमिक काउंसिल की मुहर लग चुकी है। नए सिलेबस का उद्देश्य स्टूडेंट्स को एक बेहतर इंजीनियर बनाने के साथ ही उनमें ह्यूमन वैल्यूज को भी बढ़ावा देना है।

प्रो. अनिल माथुर, डीन, आरटीयू

यह राहत दी गई है कि वे एक सेमेस्टर में फिजिक्स या कैमिस्ट्री में से एक ही सब्जेक्ट पढ़ें। इसके लिए स्टूडेंट्स चाहें तो पहले सेमेस्टर में फिजिक्स पढ़ सकते हैं, चाहें तो कैमिस्ट्री। पहले उन्हें फिजिक्स और कैमिस्ट्री एक ही सेमेस्टर में पढ़नी होती थी। इसके साथ ही स्टूडेंट्स को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग दोनों सेमेस्टर में पढ़नी होगी। पहले एक ही सेमेस्टर में प्रोग्रामिंग सिखाई जाती थी।

पेपर का पैटर्न चेंज

विवि ने फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स के लिए पेपर का पैटर्न भी चेंज कर दिया है। अब पांच यूनिट्स में से हर एक पार्ट से एक सवाल ऐसा होगा, जिसके आठ पार्ट होंगे। इसके शॉर्ट आंसर देने होंगे। बांकी चार सवाल सब्जेक्टिव होंगे। ये 16-16 मार्क्स के होंगे।

कोटा कॉलेज में 8वां सेमेस्टर ट्रेनिंग बेस्ड

यूनिवर्सिटी ने एक बड़ा बदलाव ट्रेनिंग को लेकर किया है। हालांकि यह बदलाव सिर्फ यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज, कोटा के स्टूडेंट्स के लिए लागू होगा। इसके अनुसार, स्टूडेंट्स का आठवां सेमेस्टर पूरा ट्रेनिंग बेस्ड होगा। हालांकि यह ऑप्शनल होगा। स्टूडेंट्स चाहें तो इसके स्थान पर इलेक्ट्रिक कोर्सेज की पढ़ाई और कुछ पार्ट ट्रेनिंग एवं सेमिनार के कॉम्बिनेशन से कर सकते हैं।